अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : पाँचवीं – जैन धर्म चन्द्रिका (परीक्षा 12 जुलाई, 2015)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) प्रतिक्रमण की आज्ञा लेने का पाठ है -

(क) इच्छामि ठामि (ख) करेमि भंते

(ग) इच्छामि णं भंते (घ) दर्शन समकित ( )

(b) बारह व्रतों में आवश्यकता सीमित करने का कौन-सा व्रत है -

(क) पहला व्रत (ख) आठवाँ व्रत

(ग) बारहवाँ व्रत (घ) सातवाँ व्रत ( )

(c) दर्शन समकित का कौन-सा अतिचार नहीं है : -

(क) वाइद्धं (ख) कंखा

(ग) संका (घ) वितिगिच्छा ( )

(d) 'दूसरों का विवाह कराना' कौन-से व्रत का अतिचार है : -

(क) पाँचवाँ व्रत (ख) नवमाँ व्रत

(ग) ग्यारहवाँ व्रत (घ) चौथा व्रत ( )

(e) स्वमत तथा अन्यमत के जानकार हैं : -

(क) आचार्य (ख) उपाध्याय

(ग) साधु (घ) साध्वी ( )

(f) अनन्तानुबंधी कषाय की स्थिति होती है : -

(क) एक वर्ष (ख) चार माह

(ग) अर्न्तमुहूर्त्त (घ) जीवनपर्यन्त ( )

(g) उद्गम से सम्बन्धित दोष है :-

(क) दूई (ख) अज्झोयरए

(ग) निमित्ते (घ) विज्जा ( )

(h) भक्तामर स्तोत्र के द्वारा किसकी स्तुति की गई है : -

(क) भगवान ऋषभदेव (ख) भगवान महावीर

(ग) भगवान पार्श्वनाथ (घ) भगवान शान्तिनाथ ( )

(i) "मैंने बहुत किये अपराध" चौबीसी के रचयिता हैं : -

(क) आचार्य हस्ती (ख) आचार्य विनय

(ग) गौतम ऋषि (घ) त्रिलोक ऋषि ( )

(j) "आकुंचणपसारणेणं" शब्द किस प्रत्याख्यान से सम्बन्धित है : -

(क) उपवास सूत्र (ख) पोरिसं सूत्र

(ग) एगासणा सूत्र (घ) आयंबिल सूत्र ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) आठवें व्रत में आठ आगारों का उल्लेख किया गया है। ( )

(b) कषाय का प्रतिक्रमण प्रसन्नचन्द्र राजर्षि ने किया। ( )

(c) सूत्र रूप आगम को 'सुत्तागमे' कहते हैं। ( )

(d) व्रत को सर्वथा भंग करना अतिचार है। ( )

(e) एषणा समिति के तीन भेद हैं। ( )

(f) साधु के निमित्त उधार लाकर देवे तो प्रामृत्य दोष है। ( )

(g) ब्रह्मचर्य की रक्षा के लिये साधु आहार ग्रहण करते हैं। ( )

(h) काय की अशुभ प्रवृत्तियों को रोकना 'काय गुप्ति' है। ( )

(i) भक्तामर स्तोत्र से अनेक भवों के संचित पाप, क्षणभर में नष्ट हो जाते हैं। ( )

(j) "गिहिसंसट्ठेणं' एगासणा सूत्र का एक आगार है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) जीवन के अन्तिम समय को जानकर मुझे ग्रहण किया जाता है। .....

(b) मुझे अंधकार का पाठ कहा जाता है। .....

(c) मैंने पूर्वभव में ऐश्वर्यमद किया था। .....

(d) मेरा त्याग करने से साधक को सुपात्र दान का लाभ मिलता है। .....

(e) मैं वह दोष हूँ, जो गृहस्थ या साधु को शंका हो जाने के बाद आहारादि लेने पर लगता है। .....

(f) मैं वह दोष हूँ, जो अंधे, लूले व लंगड़े व्यक्ति से बहराने पर लगता है। .....

(g) मैं वह समिति हूँ, जिसका पालन 42 दोष टालकर भिक्षा लेने के लिये किया जाता है। .....

(h) वे दोष, जो जीभ की लोलुपता वश साधु को लगते हैं। .....

(i) मैं वह स्तोत्र हूँ, जिसकी गिनती काव्यों की उत्कृष्ट श्रेणी में आयेगी। .....

(j) मैं एक ऐसा सूत्र हूँ, जिसके द्वारा साधक एक प्रहर का प्रत्याख्यान करता है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए : - **10x1 = (10)**

(a)	कंतं	-	प्रतिक्रमण	.....
(b)	तित्तिसन्नयराए	-	श्रेणिक महाराज	.....
(c)	चौमासी	-	प्रमाद	.....
(d)	बलमद	-	बारहवाँ व्रत	.....
(e)	निद्रा	-	इच्छामि खमासमणो	.....
(f)	परववएसे	-	बड़ी संलेखना	.....
(g)	अभिहडे	-	उत्पादना	.....
(h)	चुण्ण	-	वचन गुप्ति	.....
(i)	सत्यामृषा	-	आयंबिल सूत्र	.....
(j)	उक्खित्तविवेगेणं	-	उद्‌गम	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए : - **12x2 = (24)**

(a) **व्रत और पच्चक्खाण में दो अन्तर लिखिए।**

.....

.....

.....

(b) **अतिक्रम व व्यतिक्रम को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

.....

(c) **सामायिक पौषध में दो अन्तर लिखिए।**

.....

.....

.....

(d) **दसवें व्रत के चार अतिचार लिखिए।**

.....

.....

.....

(e) साधु के आहार ग्रहण करने के कोई चार कारण लिखिए।

.....

.....

.....

(f) निम्न दोषों को परिभाषित कीजिए : -

(1) मंते (2) पाहुडियाए

.....

.....

.....

(g) वचन के (भाषा समिति) दोषों का उल्लेख कीजिए।

.....

.....

.....

निम्नलिखित रिक्त स्थानों को पूर्ण कीजिए : -

(h) आस्तां ....

.....

.....हन्ति।

(i) सम्पूर्ण .....

.....

..... लंघयंति।

(j) पारस .....

.....

..... हाथ।

(k) मल्लिनाथ .....

.....

..... भगवान।

(l) तुम बिन .....

.....

..... दयाल।

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्तियों में लिखिए : - **12x3 = (36)**

(a) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए -**

(1) अंजलिं (2) उवसग्गा (3) कंदप्पे (4) जंतपीलणकम्मे (5) मुखवासविहि (6) रति-अरति

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **प्रतिक्रमण करने से क्या-क्या लाभ हैं ?**

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **रात्रि भोजन-त्याग श्रावक-व्रतों के पालन में किस प्रकार सहयोगी बनता है?**

(कोई तीन बिन्दु लिखिए)

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **जिन वचन में शंका क्यों होती है, उसे कैसे दूर करनी चाहिए?**

.....

.....

.....

.....

.....

(e) आगम किसे कहते हैं? आगम के भेदों को अर्थसहित लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(f) माणं सीयं .....

.....

.....

.....

..... रोगायंका। (रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए)

(g) भाषा समिति किसे कहते हैं? भाषा समिति के भेदों को अर्थसहित लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(h) उपधि के भेदों को अर्थ सहित स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(i) बुद्ध्या विनाऽपि विबुधार्चितपादपीठ–स्तोतुं समुद्यत–मतिर्विगतत्रपोऽहम् ।
बालं विहाय जलसंस्थित–मिन्दुबिम्ब–मन्यः क इच्छति जनः सहसा ग्रहीतुम् ।।

इसका भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(j) **अनन्त .....**

.....

.....

.....

..... भगवान। पूर्ण करके लिखिए।

(k) **एगासणा सूत्र लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(l) **पोरिसिं .....**

.....

.....

.....

..... वोसिरामि। पूर्ण करके लिखिए।